संगोष्ठी संकल्पना

''मुण्डारी भाषा साहित्य की प्राचीनता एवं वर्तमान में इसकी प्रासंगिकता''

परिचय : छोटानागपुर में यदि सर्वप्रथम किसी समाज का नाम आता है, तो वह मुण्डा समाज ही है। मुण्डा जनजाति प्रोटो ऑस्टेलायड प्रजाति की एक विशिष्ट समुदाय है। ये झारखण्ड के राँची, खूटी, सिमडेगा, पलामू, हजारीबाग, रामगढ़, पश्चिमी एवं पूर्वी सिंहभूम आदि जिलों में निवास करती हैं। घनी आबादी के दृष्टिकोण से विशेषतः दक्षिणी छोटानागपुर के राँची और खूटी जिला में पाई जाती हैं। झारखण्ड के अलावे भारत के अन्य राज्यों, बिहार, प.बंगाल, मध्यप्रदेश, उतर प्रदेश, छत्तीसगढ़, उड़ीसा तथा असम में भी मुण्डा जनजाति के लोग मिलते हैं। प्रोटो ऑस्ट्रेलायड प्रजाति एशिया के दक्षिण–पूर्व एवं ऑस्ट्रेलिया तक विस्तृत रूप से फैले हुए हैं। ऑस्ट्रिक भाषा परिवार के विस्तृत क्षेत्र के बारे में सुप्रसिद्ध भाषाविद सर जार्ज अब्राहम ग्रियर्सन के अनुसार, ऑस्ट्रिक भाषा –भाषी निकट तथा वृहतर भारत में मिलते हैं और इण्डोनेशिया (हिन्दीया), मैलेनेशिया, पैलेनेशिया होते हुए मेडागास्कार एवं न्यूजीलैंड तक चले गये हैं। ये भाषाएँ अफ्रीका के समुद्रतट से दूर, मेडागास्कार से लेकर ईस्टर द्वीप तक जो कि दक्षिणी अमेरिका के तट से 40 अंश से कम की दूरी पर है, फैली हुई है। कहा गया है *"मुण्डा जागार गोटा दिसुम पासाराओआ काना, नेआ जागार इसु पुराः हेड़ेम, सुगाड़ा ओड़ोः सिबिलान तनाः।'* अर्थात् मुण्डा (ऑस्ट्रिक) भाषा संपूर्ण विश्व में फैला हुआ है, जो मृदु, सुन्दर व मधुर भाषा के रूप में प्रसिद्ध है।

मुण्डा जनजाति अपने आपको होड़ोको (मानव) और अपनी भाषा को होड़ो जागार (मानव की भाषा/मुण्डारी भाषा) मुण्डा ऑस्ट्रिक भाषा समुदाय के अंतर्गत हैं। मुण्डा लोग अपनी भाषा को "होड़ो जगार'' (मनुष्य की वाणी) अर्थात् "मुण्डारी' भाषा कहते हैं।

मुण्डारी भाषा को क्षेत्रीय विविधता के आधार पर मुख्यतः चार भागों में विभाजित किया गया है.

(1) हसादः मुण्डारी

(2) नगुरी मुण्डारी

(3) तमाड़िया/लतार दिशुम मुण्डारी तथा

(4) केरः मुण्डारी

उद्देश्य : मुण्डारी भाषा साहित्य के अन्तर्गत उनके जीवन–दर्शन से संबंधित सभी पहलुएं हैं। ऋतु के अनुसार गीत–संगीत, नृत्य, राग–ताल, जन्म से लेकर मृत्यु तक होने वाले संस्कार, रीति–रिवाज, नेग, दस्तुर सभी क्रमवद्ध रूप से हैं। इसके अलावे साहित्य में कहानी, मुहावरा, लोकोक्ति आदि हैं। मुण्डारी भाषा बोलने वालों की संख्या लगभग पन्द्रह लाख से भी अधिक है। जिस अनुपात में बोलने वालों की संख्या होनी चाहिये वैसा नहीं हो पाया है। इस वेबिनार के माध्यम से मुण्डारी साहित्य के सभी पहलुओं को राष्ट्रीय, अन्तर्राराष्ट्रीय स्तर लोगों के सामने लाना और लेखन, प्रकाश न, अनुवाद आदि के माध्यम से मुण्डारी साहित्य के विकास एवं संरक्षण संवर्धन सहयोग करना है। जिससे इस भाषा के महत्व, रहस्य, देशज ज्ञान से लोगों को अवगत करना एवं इस भाषा की ओर लोगों को आकर्षित करना है।

वक्ताः

1. प्रोफेसर (डॉ.) सत्यनारायण मुण्डा,	कुलपति, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय, राँची।, मो. 9430789345
2. डॉ. पार्वती मुण्डू,	असिसटेंट प्रोफेसर, जेएन कॉजेज, राँची। मो. 9798701111
3. श्री सोमा सिंह मुण्डा	सहायक निदेशक (सेवानिवृत), डॉ. रामदयाल मुण्डा जनजातीय कल्याण शोध संस्थान, राँची (झारखण्ड) – 834008, मो. 8235067434
4. डॉ. सेलमनी ब्राउयुद्ध,	असिसटेंट प्रोफेसर प्रोफेसर, वोमेंस रांची। मो.
5. डॉ. मनसिद्ध बड़ायऊद ,	एसोसिएट प्रोफेसर गोस्न्नर कॉलेज, राँची। मो. 7739789385
6. डॉ. सुभाष चन्द्र मुण्डा , राँची	सहायक प्राध्यापक, पी.पी.के. कॉलेज, बुण्डू, मो. 9472706564
7. श्री बीरबल सिंह मुण्डा,	शिक्षक सह मुंडारी साहित्यकार**,** मो. 8117801422 7064683929
8. गोमति बोदरा,	सहायक प्राध्यापक**,** जामिया मिलिया विश्वविद्यालय, दिल्ली, मो. 9871278880
9. श्री गुंजल इकिर मुण्डा,	सहायक प्राध्यापक, लुप्तप्राय भाषा केंद्र, केन्द्रीय विश्वविद्यालय, राँची, झारखण्ड, मो. 7717730054
10. तुलसी नारायण सिंह मुण्डा,	सहायक प्राध्यापक (मुण्डारी), डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय, राँची, मो. 9709079809
11. डॉ. बिरेन्द्र कुमार सोय,	शोधार्थी, डी–लिट, जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा विभाग, राँची विश्वविद्यालय, राँची, मो. 9661486545
12. डॉ. जुरा मुण्डा	असिसटेंट प्रोफेसर, मारवाडी कॉलेज, राँची, मो. 8294350036
13. डॉ. अजीत मुण्डा,	सहायक प्राध्यापक (मुण्डारी), राम लखन सिंह यादव कॉलेज, राँची

14. डॉ. निलिमा प्रभाश्री, असिसटेंट प्रोफेसर, वोमेंस कॉलेज, राँची

15. डॉ. सिकरा दास तिर्की, राम लखन सिंह यादव कॉलेज, रांची

16. **डॉ. नलय राय,** विभागाध्यक्ष, मुण्डारी विभाग रांची विश्वविद्यालय रांची,

17. **सिरिल हंस,**

Days	**1st Session/ Time**		**2nd Session/ Time**	
	11:00am – 01:00pm	अध्यक्षता	**02:00pm – 04:00pm**	अध्यक्षता
1st Day	**मुंडारी** भाषा **का उद्भव एवं विकास** • भाषा इतिहास • भाषा परिवार • भाषा एंव लिपि की वर्तमान स्थिति	**डॉ. एसएन मुण्डा**	**मुंडारी लोक साहित्य का परिचय एवं उसकी प्रासंगिकता** • मुंडारी लोक गीत • मुंडारी लोक कथा • मुंडारी लोक नाट्य • मुंडारी लोक नृत्य • मुंडारी खेल गीत, बालगीत • मुंडारी कहावत लोकोक्ति, मुहाबरा, पहेली, मंत्र	**श्री सोमा सिंह मुण्डा**
2nd Day	**मुंडारी साहित्य का परिचय एवं विकास** • नाटक • कहानी • उपन्यास • गीत • कविताएं • अन्य विधाएँ	**श्रीमती अमिता मुण्डा**	**मुंडारी साहित्य का कला एवं भाव पक्ष** • मुंडारी कविता/गीत में छंद, अलंकार • भाव पक्ष – राग रागिणी, ताल, वाद्ययंत्र संगीत एवं नृत्य	**डॉ. बिनोद कुमार**